टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work. Certified

गंगावतरणम्
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

अगस्त, 2025

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका ई-न्यूज़लेटर “गंगावतरणम्” का अगस्त 2025 अंक आप सभी के समक्ष रखते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह अंक इसलिए विशेष है क्योंकि इस माह हमने संगठन की उपलब्धियों, सामाजिक उत्तरदायित्व की पहलों और राष्ट्रीय पर्व के उत्सव को एक साथ साकार होते देखा।

अगस्त माह में देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर हमारे सभी परियोजना स्थलों और कार्यालयों में तिरंगा शान से फहराया गया। देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के आयोजन ने इस दिन को और भी गरिमामय बनाया। राष्ट्रप्रेम की यह ऊर्जा हमें अपने कर्तव्यों के प्रति और सजग करती है।

इसी माह टीएचडीसीआईएल को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पुरस्कार भी प्राप्त हुए। The GEEF Global Award 2025 (CSR with a Human Heart – Company of the Year) और Indian CSR Award 2025 (Best Aid for Sports Initiative of the Year) हमारी सामाजिक प्रतिबद्धता और खेल व युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सार्थक पहचान हैं। ये सम्मान प्रत्येक कर्मचारी की समर्पित सोच और संगठन के सामूहिक प्रयास का प्रतिफल हैं।

खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना ने भी इस महीने ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की। परियोजना को अपने प्रथम ही वर्ष में 500वीं कोयला रेक प्राप्त हुई, जो हमारी कार्यकुशलता और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला का प्रमाण है। यह उपलब्धि भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

इसके अतिरिक्त, अगस्त माह में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 और “विमर्श-2025” एच.आर. कनक्लेव ने संगठनात्मक पारदर्शिता, नैतिक मूल्यों और मानव संसाधन के नवाचार पर गहन विमर्श का अवसर प्रदान किया। इन आयोजनों से न केवल हमारी कार्य संस्कृति सुदृढ़ हुई, बल्कि कर्मचारियों और समाज के बीच विश्वास की नई नींव भी रखी गई।

इन सभी आयोजनों और उपलब्धियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि टीएचडीसीआईएल केवल ऊर्जा का उत्पादक नहीं है, बल्कि यह नवाचार, पारदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणास्रोत भी है। हमें विश्वास है कि यह अंक आपको गर्व और प्रेरणा दोनों से भर देगा। मैं आशा करता हूँ कि इस पत्रिका के माध्यम से कोरपोरेशन के बारे में दी गई जानकारियाँ और समाचार आपको ज्ञानवर्धक लगेंगे | इसी आशा के साथ हमारा संपादक मंडल गंगावतरणम् को और रोचक और ज्ञानवर्धक बनाने में प्रयासरत रहा है और आगे भी रहेगा |

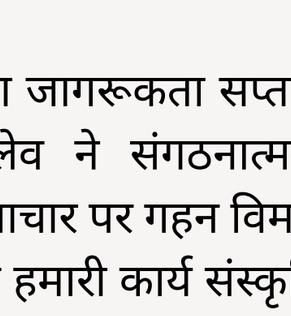

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

मुख्य संरक्षक
श्री आर. के. विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
Everything in others’ control is pain. Everything in self-control is happiness.

79वें स्वतंत्रता दिवस पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

टीएचडीसी परिवार के मेरे प्रिय सदस्यों, परियोजना प्रभारी, सभी साथी अधिकारी/ कर्मचारी वर्ग तथा उनके परिवार के सभी सदस्यों, यहाँ उपस्थित सी.आई.एस.एफ के जवानों, एक्स-सर्विसमैन, उपस्थित शिक्षक, देवियों और प्यारे बच्चों,

आप सभी को राष्ट्र के 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह दिन हम सभी के लिए केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि आत्मगौरव, स्मरण और संकल्प का अवसर है। यह वह क्षण है जब हम श्रद्धा के साथ उन वीरों को नमन करते हैं जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें आज़ादी दिलाई और साथ ही हम यह संकल्प भी लेते हैं कि उनके सपनों के भारत के निर्माण में हम अपनी सम्पूर्ण निष्ठा से योगदान देते रहेंगे।

मैं इस पावन अवसर पर आप सभी का आभार व्यक्त करता हूँ कि आप सभी ने पूरी समर्पण, मेहनत और निष्ठा के साथ टीएचडीसी को एक ऐसा संगठन बनाने में योगदान दिया है, जिस पर देश को गर्व है। हमारे कार्य केवल तकनीकी या प्रबंधन संबंधी नहीं हैं, वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी हैं।

साथियों मेरा मानना है कि स्वतंत्रता केवल भौतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, यह हमारी चेतना, विचारों और आत्मबल का विस्तार है, यह पराधीनता से मुक्ति है ।

सरदार वल्लभ भाई पटेल, भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महापुरुषों के विचार आज भी हमें यह स्मरण कराते हैं कि आज़ादी की असली सार्थकता तभी है जब हम इसे जनसेवा, न्याय, और समान अवसरों के माध्यम से हर नागरिक तक पहुँचा सकें।

आज, जब हमारा देश विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है, तो यह आवश्यक है कि हम अपने कर्तव्यों को उतनी ही निष्ठा से निभाएँ, जितनी निष्ठा से हमारे पूर्वजों ने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया था।

टीएचडीसीआईएल के रूप में, हम इस राष्ट्रीय उत्तरदायित्व को भलीभाँति समझते हैं। वर्ष 1988 में आरंभ हुई यह यात्रा आज एक प्रभावशाली स्थापित क्षमता तक पहुँच चुकी है, जिसमें जलविद्युत, थर्मल, सौर और पवन ऊर्जा जैसी परियोजनाओं व परामर्शदात्री सेवाओं का संतुलित विकास शामिल है। यह न केवल संख्यात्मक उपलब्धियाँ हैं, बल्कि उस समर्पण, नवाचार और सतत प्रयास का परिणाम हैं जो आप सभी ने मिलकर किए हैं।

वर्ष 2025 में हमने कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं, चाहे वह टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की पहली थर्मल पावर परियोजना खुर्जा की प्रथम यूनिट की कमीशनिंग हो, या देश में अपनी तरह की पहली वेरिऐबल स्पीड पंप टरबाइन, टिहरी पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट की दिशा में हुई प्रगति।

साथियो, ये परियोजनाएं न केवल ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि करेंगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में भी योगदान देंगी। हमारी अन्य परियोजनाएं भी निरंतर प्रगति कर रही हैं |

जल्द ही टिहरी पीएसपी की शेष दो यूनिटों को भी कमीशन करने की दिशा में हम प्रयासरत हैं और खुर्जा परियोजना की दूसरी यूनिट भी इस वर्ष के अंत तक देश को समर्पित कर दी जाएगी | हमारे अन्य प्रोजेक्ट्स जैसे विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में यूनिट-2 में स्टे रिंग की सफल स्थापना और पेनस्टॉक लाइनर निर्माण की शुरुआत, टीएचडीसीआईएल की इंजीनियरिंग दक्षता और जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट कार्यान्वयन के प्रमाण हैं। ये प्रगति न केवल परियोजना के लिए, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। टीएचडीसीआईएल देश को टिकाऊ और किफायती ऊर्जा समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

साथ ही स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हमने अरुणाचल प्रदेश में अपनी आगामी 1200 मेगावाट की कलाई-II जलविद्युत परियोजना के लिए विद्युत क्रय समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह उपलब्धि सतत विकास और एक सुदृढ़ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नवीन परियोजनाओं के लिए महाराष्ट्र में भी हमारी टीम कार्यशील है और जल्द ही महाराष्ट्र सरकार के साथ जो छह पंप स्टोरेज परियोजनाओं (6,790 मेगावाट) के विकास के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुए हैं उन पर शेष कार्य भी शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है । हमारी परामर्श सेवाओं, जिनके माध्यम से 400 से अधिक परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई हैं, और जिनसे ₹30 करोड़ का राजस्व अर्जित हुआ है, इस बात का प्रतीक हैं कि हमारी विशेषज्ञता को देशभर में स्वीकारा जा रहा है।

हमारी कुछ परियोजनाएँ सबसे दुर्गम और चुनौतीपूर्ण स्थानों पर संचालित होती हैं, और उन्हें उत्कृष्ट और समयबद्ध स्टेट ऑफ आर्ट तकनीकों के साथ क्रियान्वित करने के लिए हमारा समर्पित मानव संसाधन कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहा है। मुझे यह बताते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि अपने अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने और अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए प्रेरित रखने के लिए, हमने कई पहलें लागू की हैं। समय – समय पर सभी का मनोबल बढ़ाने के लिए उनके लिए पदोन्नति के पर्याप्त अवसर, पीआरपी और कई अन्य कल्याणकारी कदम शामिल हैं जिनका आप अपने दैनिक कार्य जीवन में अनुभव करते हैं।

इसके अतिरिक्त एचआर की कई प्रभावशाली पहल व नीतियाँ जैसे समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना (GPAIS), आर्थिक पुनर्वास योजना, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम - ई-ज्ञान संचय, बामर लॉरी एसएसबीटी पोर्टल, क्यूआर-आधारित स्मार्ट मेडिकल कार्ड प्रणाली एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई दिशानिर्देश, डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जैसी पहलें व डायरेक्ट भर्ती प्रक्रिया नियमावली, POSH नीति जैसी अन्य महत्वपूर्ण संगठनात्मक नीतियां भी शामिल हैं।

इनमें से प्रत्येक नीति हमारे इस दृढ़ विश्वास को दर्शाती है कि टीएचडीसीआईएल की ताकत उसके लोगों में निहित है और हम ऐसा वातावरण बनाने के लिए समर्पित हैं जो टीएचडीसी परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए विकास, सुरक्षा और कल्याण को बढ़ावा दे।

हमारा तक्षशिला प्रशिक्षण एवं सामुदायिक विकास केंद्र “उत्कृष्टता का केंद्र” बन गया है, जिससे हम न केवल ऊर्जा क्षेत्र में बल्कि मानव संसाधन विकास में भी देश को मजबूत आधार दे रहे हैं।

निगम को इस वर्ष 2025-26 के लिए पुन: ‘Great Place to work’ का गौरव भी प्राप्त हुआ है जो हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है |

टीएचडीसीआईएल हमेशा से ही समाज के प्रति उत्तरदायित्व को भी उतनी ही गंभीरता से लेती रही है। हमारी सीएसआर पहलों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता एवं सतत एवं संतुलित जीवन शैली को बढ़ावा दिया है। यह प्रमाण है कि हम न केवल 'मेगावॉट' में, बल्कि 'सार्थक प्रभाव' में भी निवेश करते हैं।

हमारे प्रयासों को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों के माध्यम से मान्यता भी मिली है, जैसे ग्रीन इनोवेशन अवार्ड, PSU लीडरशिप अवार्ड, SCOPE मेरिटोरियस अवार्ड, और PR इन एक्शन सम्मान, जो हमारी व्यावसायिक उत्कृष्टता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं।

स्वतंत्रता दिवस केवल अतीत का गौरवगान नहीं है, यह भविष्य की तैयारी का भी दिन है। 'विकसित भारत 2047' का जो स्वप्न है, उसमें हमारी भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके लिए हमें तकनीक, नैतिकता, और संवेदनशीलता, तीनों को साथ लेकर चलना होगा।

हमारे नवाचारों में स्थायित्व और पर्यावरणीय संतुलन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। इस दिशा में हमारा ध्यान हरित ऊर्जा के दोहन, स्मार्ट ग्रिड, जल प्रबंधन और डिजिटल कार्यप्रणालियों पर केंद्रित है।

साथियों, जब भी आप एक योजना को साकार करते हैं, एक चुनौती का समाधान ढूंढते हैं या एक सहकर्मी को प्रेरित करते हैं तो आप उस राष्ट्र निर्माण के यज्ञ में आहुति दे रहे होते हैं, जिसकी मशाल हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जलाई थी।

जैसा कि कहा गया है कि

“स्वतंत्रता का अर्थ केवल आज़ाद हवा में सांस लेना नहीं,
बल्कि अपने कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करना है।"

इसलिए, इस अवसर पर मैं आपसे शुभकामनाएँ साझा करने के साथ-साथ, एक आग्रह भी कर रहा हूँ आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हमारा प्रत्येक कार्य, प्रत्येक विचार और प्रत्येक निर्णय राष्ट्रहित में हो, संस्थान हित में हो और मानवता के हित में हो।

अंत में, हम सबके लिए यही प्रार्थना करता हूँ –

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्॥"

आइए, हम सब मिलकर अपने कर्तव्यों का पालन करें, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ हम पर गर्व कर सकें और हम एक समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के सच्चे निर्माता बन सकें।

जय हिन्द! जय भारत!

(**आर. के. विश्नोई**)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
Everything in others’ control is pain. Everything in self-control is happiness.

टीएचडीसी की बड़ी उपलब्धि: खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना की यूनिट-2 (660 मेगावाट) राष्ट्रीय ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइज़्ड

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 28 अगस्त, 2025 को अपनी खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना (2x660 मेगावाट) की यूनिट-2 (660 मेगावाट) को राष्ट्रीय ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज़ कर दिया। यह उपलब्धि परियोजना के चालू होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रगति को रेखांकित करती है।

टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर.के. विश्नोई ने कहा कि खुर्जा एसटीपीपी की यूनिट-2 का सफल सिंक्रोनाइज़ इस 2x660 मेगावाट परियोजना के पूर्ण रूप से चालू होने की दिशा में एक निर्णायक कदम है, जो भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ करने और ऊर्जा क्षेत्र में अपने पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाने के लिए टीएचडीसीआईएल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह उपलब्धि ताप विद्युत क्षेत्र में हमारे रणनीतिक विविधीकरण को दर्शाती है, जो एक संतुलित और सतत ऊर्जा मिश्रण बनाने के लिए हमारे नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का पूरक है। उन्नत बॉयलरों, टर्बाइनों और एफजीडी तथा कम-एनओएक्स बर्नर सहित अत्याधुनिक उत्सर्जन नियंत्रण प्रणालियों के साथ यह परियोजना परिचालन उत्कृष्टता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और राष्ट्र के लिए दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा पर टीएचडीसीआईएल के फोकस को रेखांकित करती है। सिंक्रोनाइजेशन कार्यक्रम श्री शैलेन्द्र सिंह के सम्मान समारोह के साथ आयोजित किया गया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर.के. विश्नोई ने इस उपलब्धि के महत्व पर प्रकाश डाला और टीएचडीसीआईएल बोर्ड के सक्रिय निर्णयों की सराहना की, जो संगठन की निरंतर प्रगति और विकास सुनिश्चित करने में सहायक रहे हैं। निदेशक (तकनीकी), श्री भूपेंद्र गुप्ता ने इस बात पर बल दिया कि खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की यूनिट-2 का सफल समन्वयन इसके चालू होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और साथ ही जटिल विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में टीएचडीसीआईएल की तकनीकी क्षमताओं को प्रदर्शित करता है। यूनिट-2 के राष्ट्रीय ग्रिड से सिंक्रोनाइज़ होने के साथ ही परियोजना अब विश्वसनीय बेस लोड बिजली प्रदान करने की स्थिति में है, जो विशेष रूप से पीक डिमांड के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह उपलब्धि न केवल टीएचडीसीआईएल के समग्र उत्पादन पोर्टफोलियो को मजबूत करती है, बल्कि भारत के एक विश्वसनीय और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य के दृष्टिकोण के अनुरूप भी है।

इस अवसर पर उपस्थित कार्यपालक निदेशक (परियोजना), श्री कुमार शरद ने कहा कि यह उपलब्धि केएसटीपीपी की पूरी टीम के अथक प्रयासों का ही परिणाम है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण सफलता को प्राप्त करने में टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत को संपूर्ण श्रेय दिया। इस कार्यक्रम में श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना), श्री बी.के. साहू, महाप्रबंधक (ओ एंड एम), श्री आर.एम. दुबे, महाप्रबंधक (विद्युत), श्री शैलेश ध्यानी, महाप्रबंधक (यांत्रिक), श्री संदीप भटनागर, महाप्रबंधक (वित्त) सहित प्रमुख अधिकारीगण उपस्थित रहे, साथ ही टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, एनटीपीसी कंसल्टेंसी, बीएचईएल, एलएमबी, एसटीईएजी और जीई के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

CMD, THDCIL held discussions with Uttarakhand Chief Secretary on ongoing and upcoming Projects

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman & Managing Director, THDC India Limited, called on Sh. Anand Bardan (IAS), Chief Secretary, Govt. of Uttarakhand, at the Secretariat, Dehradun, Uttarakhand on 14th August, 2025 and held detailed discussions on the progress of ongoing and upcoming Power Projects in the state. During the meeting, Sh. Vishnoi apprised the Chief Secretary about THDCIL initiatives to strengthen Uttarakhand's Clean Energy portfolio through sustainable and innovative technologies. He reiterated that THDCIL has always been at the forefront of driving development in the state, ensuring both energy security and socio-economic growth.

टीएचडीसीआईएल में हर्षोल्लास से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2025 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में भारत का 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया | निगम के कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश सहित सभी परियोजना कार्यालयों व इकाइयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा देश की आज़ादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया | अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा उपस्थित जन-समूह को संबोधित किया | अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का स्वतंत्रता दिवस संदेश सभी परियोजना कार्यालयों व इकाइयों में लाइव प्रसारण के माध्यम से सुना गया |

ऋषिकेश

टिहरी

इस सुअवसर पर निगम के निदेशक (वित्त), श्री सिंपन कुमार गर्ग द्वारा टिहरी परियोजना में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया | साथ ही निदेशक (वित्त) द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया गया | इस दौरान परियोजना में देश भक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गए |

खुर्जा

खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना में श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) द्वारा ध्वज फहराया गया |

कौशाम्बी

स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर एनसीआर कार्यालय में श्री नीरज वर्मा, कार्यपालक निदेशक (प्रभारी) द्वारा ध्वज फहराया गया |

पीपलकोटी

पीपलकोटी परियोजना में श्री अजय वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया |

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।

Everything in others' control is pain. Everything in self-control is happiness.

अमेलिया

अमेलिया कोल माइन परियोजना में स्वतंत्रता दिवस के आयोजन का दृश्य |

देहरादून

देहरादून कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दृश्य |

कासरगोड

कासरगोड परियोजना में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दृश्य |

मोरी-हनोल

मोरी-हनोल कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दृश्य |

लखनऊ

टुस्को लिमिटेड, लखनऊ कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दृश्य |

ललितपुर

ललितपुर कार्यालय, में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दृश्य |

चित्रकूट

चित्रकूट कार्यालय, में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दृश्य |

झाँसी

झाँसी कार्यालय, में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दृश्य |

द्वारका

द्वारका कार्यालय, गुजरात में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दृश्य |

Director (Technical), Sh. Bhupender Gupta Reviews Dhukwan Project

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), THDC India Limited visited the 24 MW Dhukwan Small Hydro Electric Project on 10th August, 2025. During the visit, Sh. Gupta reviewed the plant's generation performance, ongoing operational activities, and congratulated Team Dhukwan SHEP on achieving the highest-ever cumulative energy generation by the end of July in any financial year since commissioning. Sh. B. P. Rayal, General Manager (Project), along with project officials, briefed on recent key developments related to the project.

THDC India Limited Celebrated 'Har Ghar Tiranga' with Pride and Unity

THDC India Limited joined the nation in celebrating the Har Ghar Tiranga campaign, reaffirming its commitment to Unity of the Nation and the Values of the Tricolour. Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited extended his heartfelt appreciation to all employees for their active involvement, and stated that the initiative symbolizes the collective pride and responsibility of every citizen towards the nation. Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical) and Sh. Sipan Kumar Garg, Director (Finance) actively participated in the campaign and motivated each and every employee to contribute in this national movement.

Pipalkoti

Tehri

Khurja

पारदर्शिता एवं जन-जन तक पहुंच पर जोर देते हुए सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 का हुआ शुभारंभ

पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतरता प्रदान करते हुए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने अपने एनसीआर कार्यालय, कौशांबी, गाजियाबाद में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन टीएचडीसी की मुख्य सतर्कता अधिकारी (आईआरएस), सुश्री रश्मिता झा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। उन्होंने समाज के हर स्तर पर जागरूकता पैदा करने के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने बताया कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के दौरान स्कूलों, कॉलेजों, ग्राम सभाओं, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों, टीएचडीसी के परियोजना स्थलों, बस स्टेशनों, गंगा घाटों और मुख्य बाजारों में "सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी" विषय पर व्यापक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में श्री नीरज वर्मा, कार्यपालक निदेशक (एनसीआर कार्यालय), श्री एस.के.आर्य, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं सतर्कता विभाग, ऋषिकेश के अधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में टीएचडीसी के विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यालयों में तैनात सतर्कता विभाग से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया।

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
Everything in others' control is pain. Everything in self-control is happiness.

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने प्रतिष्ठित आईएस/आईएसओ 37001:2016 एंटी-ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) प्रमाणन प्राप्त किया

अखंडता और नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को इसके कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश और एनसीआर कार्यालय, कौशाम्बी के लिए ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) द्वारा आईएस/आईएसओ 37001:2016 के तहत प्रतिष्ठित रिश्वत-रोधी प्रबंधन प्रणाली (एबीएमएस) प्रमाणन प्रदान किया गया है।

टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि एबीएमएस प्रमाणन टीएचडीसीआईएल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो हितधारकों के बीच विश्वास बढ़ाता है, कंपनी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को मजबूत करता है और आज के चुनौतीपूर्ण व्यावसायिक वातावरण में अधिक पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करता है। श्री विश्नोई ने इस बात पर बल दिया कि यह मान्यता न केवल हितधारकों का विश्वास बढ़ाएगी, बल्कि पारदर्शिता और कॉर्पोरेट जिम्मेदारी में बेंचमार्क स्थापित करेगी, जिससे टीएचडीसीआईएल की विकास यात्रा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संरेखित रहेगी।

मुख्य सतर्कता अधिकारी, सुश्री रश्मिता झा (आईआरएस) ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह प्रमाणन टीएचडीसीआईएल की अखंडता, पारदर्शिता और सतत विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो कॉर्पोरेट नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए इसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि संगठन की नैतिकता और पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाती है, जिससे टीएचडीसीआईएल की विश्वसनीयता और भरोसेमंदता में वृद्धि होती है।

18 अगस्त, 2025 को एनसीआर कार्यालय, कौशाम्बी में आयोजित एक विशेष समारोह में बीआईएस अधिकारियों द्वारा टीएचडीसीआईएल की मुख्य सतर्कता अधिकारी, सुश्री रश्मिता झा (आईआरएस) को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक, श्री नीरज वर्मा, उप सीवीओ/ महाप्रबंधक (सतर्कता), श्री सतीश कुमार आर्य और टीएचडीसीआईएल के वरिष्ठ सतर्कता अधिकारी उपस्थित थे। इसके पश्चात आज यह प्रमाण पत्र टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई को कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में श्री सतीश कुमार आर्य, उप सीवीओ/ महाप्रबंधक (सतर्कता) द्वारा श्री एस. एस. पंवार, मुख्य महाप्रबंधक (ओएमएस) साथ ही सतर्कता एवं ओएमएस विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में औपचारिक रूप से प्रदान किया गया।

एबीएमएस प्रमाणन (आईएस/आईएसओ 37001:2016) एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक है जो संगठनों को रिश्वतखोरी की घटनाओं को रोकने, पता लगाने और उन पर कार्रवाई करने के लिए सक्षम बनाता है, जिससे नैतिक सुशासन को मजबूत किया जा सकता है। टीएचडीसीआईएल के लिए यह उपलब्धि एक मान्यता से अधिक है - यह सभी स्तरों पर विश्वास और जवाबदेही बनाने की दिशा में अगला कदम है। यह प्रमाणन टीएचडीसीआईएल को विद्युत क्षेत्र में एक विशिष्ट संगठन के रूप में स्थापित करता है, जो नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को प्राथमिकता देने वाले ग्राहकों और भागीदारों को आकर्षित करता है। यह आज के परिवेश में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जहां भ्रष्टाचार-विरोधी नियम लगातार कड़े होते जा रहे हैं।

खुर्जा परियोजना में श्रमिकों के लिए लगाया गया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना में 02 अगस्त, 2025 को श्रमिकों एवं उनके परिजनों के लिए एक नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन एल एंड टी परिसर में अमेयश अस्पताल के सहयोग से किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य परियोजना स्थल पर कार्यरत श्रमिकों को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना तथा उन्हें ईएसआईसी की योजनाओं एवं उनके लाभ के बारे में जानकारी देना था। शिविर में आए श्रमिकों और उनके परिजनों का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उन्हें स्वास्थ्य बीमा योजनाओं एवं ईएसआईसी के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस शिविर का उद्घाटन मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक, श्री दिलीप कुमार द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर एल एंड टी के वरिष्ठ प्रबंधक, श्री संजय दूबे तथा टीएचडीसी के सहायक प्रबंधक, श्री सूर्य नारायण सिंह भी उपस्थित रहे।

टीएचडीसी में आयोजित हुई नराकास हरिद्वार की अर्धवार्षिक बैठक

श्री आर. के. विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने बताया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 40वीं अर्धवार्षिक बैठक 18.08.2025 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश के रसमंजरी हॉल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नराकास, अध्यक्ष एवं टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने की । बैठक में समिति के सदस्य संस्थानों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों एवं राजभाषा अधिकारियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभागिता की। विदित ही है कि नराकास हरिद्वार देश की सबसे बड़ी नराकासों में से एक है जिसमें सदस्य संस्थानों की संख्या 69 है। इस समिति में रुड़की, हरिद्वार, ऋषिकेश एवं पर्वतीय क्षेत्र में स्थित केंद्र सरकार के संस्थान एवं कार्यालय सम्मिलित हैं।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम समिति के अध्यक्ष एवं टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश की निदेशक, श्रीमती मीनू सिंह, एनआईएच रुड़की के निदेशक, डॉ वाई.आर.एस.राव, राजभाषा विभाग के उप निदेशक, श्री छबिल मेहेर, टीएचडीसी के मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.), डॉ अमर नाथ त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के टीईएस हाईस्कूल के विद्यार्थियों के द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने करतल ध्वनि से इन विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया ।

बैठक के दौरान पुरस्कार वितरण समारोह में समिति के अध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र सिंह ने अपने कर-कमलों से छमाही के दौरान नराकास के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया । इस अवसर पर नराकास की वार्षिक पत्रिका ''ज्ञान प्रकाश'' के 13वें अंक, टीएचडीसी की राजभाषा पत्रिका ''पहल'', केंद्रीय विद्यालय, एसएसबी श्रीनगर की छमाही पत्रिका ''वागिशा'' के प्रथम अंक का विमोचन किया गया।

बैठक में नराकास सचिव, श्री पंकज कुमार शर्मा द्वारा नराकास हरिद्वार द्वारा आयोजित गतिविधियों एवं राजभाषा से संबंधित नवीनतम जानकारियों से अवगत कराया गया । उन्होंने राजभाषा हिंदी की प्रगति की अर्धवार्षिक रिपोर्टो की समीक्षा की। इसके उपरांत चर्चा सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सदस्य संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

बैठक में समिति के अध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र सिंह की इसी माह सेवानिवृत्ति होने के कारण उन्हें विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर समिति में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व के दृष्टिगत भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया । समिति के सदस्य संस्थानों के प्रमुखों ने श्री सिंह को नराकास, हरिद्वार की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया ।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के उप निदेशक (कार्यान्वयन), श्री छबिल कुमार मेहेर ने श्री सिंह को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं संप्रेषित की । श्री मेहेर ने कहा कि श्री सिंह के नेतृत्व में नराकास हरिद्वार की बैठकें नियमित अंतराल पर आयोजित की गई । कई ऐसी नराकास हैं जिनका गठन होने के बाद उनकी गति मंद पड़ जाती है। परन्तु नराकास हरिद्वार का वर्ष 2005 में गठन होने के बाद से ही यह उत्कृष्टता से कार्य कर रही है। इसका श्रेय इस समिति के संचालकों एवं विशेष रूप से इसके उन सभी व्यक्तियों को जाता है जो पहले इस समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं और जो इस पद पर अभी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी संस्थानों से भारत सरकार की राजभाषा नीति, अधिनियमों एवं नियमों का अक्षरश: अनुपालन करने का अनुरोध किया। उन्होंने संस्थानों से हिंदी के मानक पदों को यथाशीघ्र भरने का भी अनुरोध किया।

समिति के अध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में सभी सदस्य संस्थानों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों का उनके प्यार एवं सम्मान के लिए धन्यवाद देते हुए समिति के संचालन में सबके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश भारत के अधिकतर लोगों की भाषा हिंदी है। हम हिंदी में ही अपनी बात को प्रभावशाली ढंग से रख सकते हैं और हिंदी में बोली जाने वाली बात सबकी समझ में आ जाती है । हिंदी अपने भावों एवं विचारों को व्यक्त करने का सरल एवं सहज माध्यम है इसलिए आपस में सामान्य वार्तालाप में और अपने घरों में हिंदी में ही बात करते हैं । हिंदी की विशेषता है कि इसमें सभी भाषाओं के शब्दों को अपनाने की प्रबल शक्ति मौजूद है। उन्होंने सभी संस्थानों के प्रमुखों को बताया कि राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम की कुछ मदों के प्रतिशत में परिवर्तन किया गया है, इसलिए इस नवीनतम वार्षिक कार्यक्रम का संदर्भ अवश्य ही ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपनी ओर से भरसक प्रयास कर रही है जिसके परिणामस्वरूप हिंदीतर राज्यों में हिंदी सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। ''क'' क्षेत्र में होने के कारण हमें भरसक प्रयास करना चाहिए कि राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें । कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी सदस्य संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों को बैठक में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया।

सर्वं परवशं दु:खं सर्वमात्मवशं सुखम्।

Everything in others' control is pain. Everything in self-control is happiness.

विमर्श-2025 के अंतर्गत टीएचडीसीआईएल, ऋषिकेश में दो दिवसीय मानव संसाधन सम्मेलन संपन्न

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 25 अगस्त, 2025 को अपने अत्याधुनिक तक्षशिला मानव संसाधन विकास केंद्र, ऋषिकेश में मानव संसाधन सम्मेलन: विमर्श- 2025 का आयोजन किया। 25-26 अगस्त, 2025 तक आयोजित यह दो दिवसीय कार्यक्रम, मानव संसाधन प्रथाओं के भविष्य पर विचार-विमर्श करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित मानव संसाधन पेशेवरों, विचारकों और वरिष्ठ अधिकारियों को एक साथ लाने में सहायक सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए, टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने ऐसे राष्ट्रीय महत्व के सम्मेलन के आयोजन के लिए टीम मानव संसाधन, टीएचडीसीआईएल को बधाई दी और इस बात पर प्रकाश डाला कि विमर्श-2025 जैसे मंच जन-केंद्रित विकास पर चर्चा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री विश्नोई ने इस बात पर जोर दिया कि आज के तेजी से बदलते परिदृश्य में, मानव संसाधन की भूमिका संगठनात्मक परिवर्तन में सबसे अग्रणी है, जो संस्थानों को लचीला और नवोन्मेषी बने रहने में सक्षम बनाता है।

श्री विश्नोई ने आगे कहा कि टीएचडीसीआईएल में, लोगों को विकास और उत्कृष्टता का सच्चा वाहक माना जाता है और इसलिए नेतृत्व की तत्परता, कर्मचारी कल्याण और क्षमता निर्माण पर निरंतर ध्यान देना अनिवार्य है। उन्होंने आगे कहा कि विमर्श-2025 न केवल संवाद का एक मंच है, बल्कि 2047 तक विकसित भारत बनने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है | सार्वजनिक क्षेत्र भविष्य के लिए नेतृत्वकर्ताओं का एक समूह बनाने का एक सामूहिक प्रयास है।

सम्मेलन का उद्घाटन श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक), टीएचडीसीआईएल, श्री परेश रनपारा, निदेशक (मानव संसाधन), ग्रिड इंडिया, श्री मृदुल श्रीवास्तव, व्यवसाय परिवर्तन प्रमुख और समाधान विशेषज्ञ, डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन, केन्द्रीय संचार), टीएचडीसीआईएल और साथ ही टीएचडीसीआईएल एवं अन्य प्रतिभागी संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने सम्मेलन में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह शिखर सम्मेलन केवल मानव संसाधन क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों का समागम नहीं है, बल्कि संवाद, विचारों के आदान-प्रदान और रणनीतियों के सह-निर्माण का एक मंच है जो हमारे संगठनों में मानव संसाधन प्रबंधन की भावी रणनीतियों को आकार देने में मदद करेगा और आने वाली चुनौतियों और बदलावों को स्वीकार करने के लिए एक संवाद का मार्ग प्रशस्त करेगा तथा हमें आपसी ज्ञान साझा करने और सामूहिक रणनीति के साथ सामूहिक रूप से उनका सामना करने के लिए तैयार रहने में सक्षम बनाएगा। साथ ही श्री सिंह ने कहा कि टीएचडीसीआईएल मानव संसाधन शिखर सम्मेलन का नाम, ‘विमर्श’ एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है "विचार-विमर्श" या "चर्चा"। यह इस सम्मेलन के उद्देश्य को पूरी तरह से दर्शाता है | साथ ही इसका प्रमुख उद्देश्य मानव संसाधन के निरंतर विकसित होते परिदृश्य पर एक सार्थक संवाद में शामिल होना, अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करना और साथ मिलकर आगे का रास्ता तय करना है। सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम) के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों और विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ मानव संसाधन प्रमुखों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। "सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण 'एआई-संचालित दुनिया में नेतृत्व की तत्परता' पर एक आकर्षक पैनल चर्चा थी, जिसमें टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह, ग्रिड इंडिया के निदेशक (मानव संसाधन), श्री परेश रनपारा, व्यवसाय परिवर्तन प्रमुख और समाधान विशेषज्ञ, श्री मृदुल श्रीवास्तव तथा एसएचआरएम इंडिया के परामर्श एवं क्षमता निर्माण निदेशक, श्री आशीष कौल सहित प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट मानव संसाधन के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।"

समन्वय कार्यालय, देहरादून में निःशुल्क दंत जांच शिविर आयोजित

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के समन्वय कार्यालय, 26 ई.सी. रोड, देहरादून द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के लिए एक विशेष निःशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 27 अगस्त, 2025 को आयोजित हुआ, जिसमें डॉ. वोरास डेंट-ओ-केयर, देहरादून के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने भाग लिया। शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दांतों एवं मुख स्वास्थ्य से संबंधित जांच की तथा आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया।

THDC Honoured with ‘Best Aid for Sports Initiative of the Year’ at Indian CSR Awards 2025

THDC India Limited has been conferred with the prestigious Indian CSR Award 2025 under the category “Best Aid for Sports Initiative of the Year-2025(PSU)”, organized by Brand Honchos in a glittering ceremony at Hyatt Centric, New Delhi.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, conveying his wishes on this achievement, stated that this recognition is a testament to our people-centric approach to CSR. At THDCIL, our CSR initiatives are driven under the overarching theme ‘THDC Sahridaya’ (Corporate with a Human Heart), covering focus areas like Health, Education, Livelihood, Rural Development, Women Empowerment, Environment, Care of Aged and Differently abled, Culture, and Sports. Together, these initiatives embody THDCIL’s commitment to holistic Socio-Economic development and inclusive growth, the recognition of ‘THDC Krida’ at the Indian CSR Awards 2025 further reaffirms its people-centric approach to nation-building

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), congratulated THDCIL S&E team on this achievement and said that the Indian CSR Award 2025 reflects our commitment to nurturing sports and empowering youth. Through THDC Krida, THDCIL is creating robust sports infrastructure, supporting budding athletes, and promoting community participation. These initiatives not only strengthen fitness and inclusivity but also contribute to national priorities like the Fit India Movement and Khelo India Mission.

The jury appreciated THDCIL’s flagship program ‘THDC Krida’ for its unique blend of infrastructure creation, athlete support, and community engagement. Significant milestones under this initiative include the development of the Pokhara Mini Stadium in Pauri Garhwal, the introduction of hybrid electric boats for water sports at Haiderpur Wetland, the establishment of open gyms, and the successful hosting of National-level water sports championships at Tehri Lake. THDCIL has also provided direct support to budding athletes, enabling them to excel on national and international platforms.

The award was received on behalf of THDCIL by Sh. Harsh Kumar Jindal, GM (S&E Dept.), and Sh. Vipin Thapliyal, DGM (S&E Dept.).

NCR Office organizes POSH Awareness and Sensitization Workshop

A POSH (Prevention of Sexual Harassment) Awareness and Sensitization Workshop was successfully organized for the employees at NCR Office, Kaushambi on 28th August, 2025. The workshop aimed to foster a safe, respectful, and inclusive work environment, reinforcing THDCIL’s commitment to upholding dignity and equality at the workplace.

The session was conducted by SME Gurkul Foundation (NGO), Delhi, an organization with proven expertise in labour laws, POSH compliance, and workplace policy training. Key areas covered during the workshop included, Introduction and background of the POSH Act, Key provisions and definitions under the POSH policy, Statutory compliance requirements for organizations, Roles and responsibilities of employees and the Internal Committee and Redressal mechanisms and reporting procedure. The workshop saw enthusiastic participation from employees and was highly interactive in nature.

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।

Everything in others’ control is pain. Everything in self-control is happiness.

THDC India Limited Felicitates Sh. Shallinder Singh for his Outstanding Contributions as Director (Personnel)

THDC India Limited organized farewell ceremony to felicitate Sh. Shallinder Singh for his illustrious career as Director (Personnel), THDCIL, and for his outstanding contributions that have meaningfully shaped the growth of the organization. The event was graced by CMD, Sh. R. K. Vishnoi, and Director (Technical), Sh. Bhupender Gupta, along with senior officials and employees of THDCIL.

Speaking on the occasion, CMD, Sh. R. K. Vishnoi, said, that Sh. Shallinder Singh's leadership has been exemplary in every sense. His visionary initiatives in HR and his humane approach to employee welfare have set high benchmarks for the organization. His legacy will continue to inspire future endeavours at THDCIL. Sh. Vishnoi further added that what has truly distinguished Sh. Singh, is his ability to balance empathy with discipline, ensuring that every employee felt valued while organizational priorities were always met with precision. His stewardship has enriched THDCIL not just with systems and policies, but with a culture that thrives on Trust, Inclusivity, and Motivation.

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), also highlighted the significant role played as Director Personnel, stating that Sh. Singh's leadership extended well beyond HR, as he successfully guided CSR, Corporate Communication, IT, and Legal functions with precision and empathy. His contributions have played a vital role in strengthening THDCIL's organizational fabric and public standing.

Sh. Shallinder Singh expressed that his journey at THDC India Limited has been immensely fulfilling, shaped not only by the initiatives implemented under his leadership but also by the spirit of teamwork and shared purpose across the organization. He acknowledged that every milestone whether in HR, CSR, IT, or employee welfare, was the outcome of collective dedication and the constant support of colleagues and leadership. He conveyed his deep gratitude for the trust and cooperation he received throughout his tenure and shared that he would always cherish the bonds built during this journey. He also extended his heartfelt good wishes for the continued success and growth of THDCIL in the years ahead.

The ceremony witnessed heartfelt tributes from colleagues and employees, representatives of Union Associations who lauded Sh. Singh's approachable nature, meticulous planning, and pioneering spirit. The entire THDCIL Fraternity collectively and warm heartedly conveyed their warm wishes to Sh. Singh and his family for good health, happiness, and success in the years ahead.

खुर्जा परियोजना में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान का किया गया आयोजन

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में 29 अगस्त, 2025 को ओल्ड ऑफिस परिसर में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान की शुरुआत श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) द्वारा की गई। वृक्षारोपण कार्यक्रम में शीशम,अमरूद, जामुन, आम, पीपल व अशोक जैसे कुल 100 पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में परियोजना के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) ने इसे एक उत्कृष्ट पहल बताते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने को प्रेरित किया।

Unit-2 Boiler Light-Up at KSTPP Underscores THDCIL's Progress Towards Full Capacity

THDC India Limited has successfully achieved the Boiler Light-Up of Unit-2 (660 MW) at the 1320 MW Khurja Super Thermal Power Project (KSTPP) in Bulandshahr, Uttar Pradesh, on 19th August 2025, following the successful completion of steam blowing restoration.

This achievement marks yet another significant stride in the commissioning journey of the project. Sh. R. K. Vishnoi, Chairman & Managing Director, THDCIL, conveyed his heartfelt congratulations on this achievement and said that the Boiler Light-Up of Unit-2 reflects the unyielding dedication and engineering excellence of THDCIL's team. After the Commercial Operation Declaration of Unit-1 on 25th January 2025, the commencement of Unit-2 commissioning underscores THDCIL's steady progress towards realizing the full capacity of this State-of-The-Art Project. Sh. Vishnoi emphasized that with the coming of both units in Operation, KSTPP will add 1320 MW to the Grid, furthering India's energy security and accelerating its growth trajectory. He also highlighted that the project's fuel security is firmly backed by THDCIL's dedicated Amelia coal mine, ensuring reliable and sustainable operations. Sh. Vishnoi reiterated that this development stands as a testimony to THDCIL's commitment to delivering affordable and reliable power to the nation.

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), THDCIL, emphasizing the importance of this critical milestone in the commissioning cycle, said that with this successful Boiler light-up of Unit#2, the Project now advances towards subsequent tests to facilitate early synchronization of the Unit with the Grid, leading up to its Commercial Operation Declaration. He further underlined that the project incorporates advanced emission-control technologies, including Flue Gas Desulphurization (FGD), thereby reinforcing THDCIL's commitment to clean and sustainable thermal power.

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), and Sh. Sipan Kumar Garg, Director (Finance), also conveyed their heartfelt congratulations on this significant achievement, and conveyed heartfelt appreciation of the dedicated efforts of the Project team.

The 2x600 MW Khurja Super Thermal Power Project is THDCIL's maiden Thermal Power Plant. The Project not only strengthens the company's diversified growth strategy but also plays a pivotal role in meeting the rising demand for reliable electricity in the country. The equity of THDC India limited is shared between NTPC and Govt. of UP.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 : वीपीएचईपी में निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के अंतर्गत 21 अगस्त, 2025 को विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना परिसर में संविदा कर्मचारियों के लिए निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संविदा कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की और अपनी रचनात्मकता एवं विचारों के माध्यम से सतर्कता के महत्व को अभिव्यक्त किया। परियोजना प्रमुख, वीपीएचईपी, श्री अजय वर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, "सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत आयोजित प्रतियोगिताएं कर्मचारियों में न केवल रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि उन्हें कर्तव्यनिष्ठ और पारदर्शी कार्य संस्कृति की ओर प्रेरित भी करती हैं।"

इसके साथ ही 26 अगस्त, 2025 को ग्राम नौरख, पीपलकोटी में विष्णुगाड–पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों के लिए सतर्कता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को भ्रष्टाचार निवारण, शिकायत निवारण तंत्र, साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। लगभग 52 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने सवालों के उत्तर भी प्राप्त किए।

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
Everything in others' control is pain. Everything in self-control is happiness.

खुर्जा कार्यालय ने नराकास, बुलंदशहर के राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता–2025 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड-खुर्जा कार्यालय को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), बुलंदशहर की 28वीं बैठक में राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता–2025 (श्रेणी–केंद्र सरकार के कार्यालय एवं उपक्रम) के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री अजय कुमार चौधरी एवं श्री मधुकर कुमार शर्मा, अध्यक्ष, नराकास, बुलंदशहर ने प्रदान किए। टीएचडीसीआईएल-खुर्जा कार्यालय की ओर से यह पुरस्कार श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन/ राजभाषा) ने प्राप्त किया। बैठक में टीएचडीसी-खुर्जा कार्यालय को राजभाषा निरीक्षण प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। खुर्जा कार्यालय के हिंदी काम-काज व हिंदी गतिविधियों का अवलोकन करते हुए मुख्य अतिथि एवं समिति अध्यक्ष ने टीएचडीसीआईएल-खुर्जा कार्यालय में चल रहे राजभाषा कार्यान्वयन के कार्यों की काफी सराहना की। इस अवसर पर श्री कुमार शरद, कार्यालय प्रमुख व कार्यपालक निदेशक (परियोजना) ने नराकास, बुलंदशहर के अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि का धन्यवाद अदा करते हुए टीएचडीसीआईएल, खुर्जा टीम को बधाई देते हुए राजभाषा हिंदी के प्रति किए जा रहे प्रगतिशील कार्यों पर खुशी प्रकट की। साथ ही भविष्य में भी राजभाषा विभाग के द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए टीएचडीसीआईएल-खुर्जा कार्यालय को हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए।

उक्त बैठक में टीएचडीसीआईएल-खुर्जा कार्यालय की ओर से श्री कुमार शरद, कार्यालय प्रमुख व कार्यपालक निदेशक (परियोजना) सहित श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन/ राजभाषा) एवं श्री यशवंत सिंह नेगी, कनिष्ठ हिंदी अधिकारी (मा.सं.-हिंदी) ने प्रतिभाग किया।

टीएचडीसी को सीएसआर विद ह्यूमन हार्ट के लिए "जीईईएफ ग्लोबल अवार्ड 2025" से सम्मानित किया गया

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को नई दिल्ली के आईटीसी मौर्य होटल में आयोजित ग्लोबल वाटर टेक समिट 2025 में “सीएसआर विद ह्यूमन हार्ट - वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ कंपनी” श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित “जीईईएफ ग्लोबल अवार्ड 2025” (“The GEEF Global Award 2025” under the category “CSR with a Human Heart – Company of the Year 2025”) से सम्मानित किया गया।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने "जीईईएफ ग्लोबल अवार्ड 2025" के लिए हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह सम्मान समावेशी और सतत विकास के प्रति टीएचडीसीआईएल की दृढ़ प्रतिबद्धता को मान्यता देता है।

श्री विश्नोई ने इस बात पर भी जोर दिया कि कंपनी की प्रमुख सीएसआर पहल "टीएचडीसी सहृदय - मानवीय हृदय वाला कॉर्पोरेट" समाज के प्रति करुणा, जिम्मेदारी और सेवा के टीएचडीसीआईएल के मूल मूल्यों को मूर्त रूप देती है। अपनी प्रमुख सीएसआर पहलों के माध्यम से, टीएचडीसीआईएल ने विभिन्न क्षेत्रों में सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा दिया है, जिसमें डिस्पेंसरियों, चिकित्सा अवसंरचना, स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करना; स्कूल उन्नयन, स्वच्छता सुविधाओं और जरूरतमंद बच्चों को सहायता के माध्यम से उनकी शिक्षा को आगे बढ़ाना, साथ ही युवाओं और महिला सशक्तिकरण के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से आजीविका को बढ़ावा देना शामिल है।

कंपनी ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे और सिंचाई, वनीकरण और जल संरक्षण के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान दिया है, जबकि टिहरी झील में जल क्रीड़ाओं सहित कला, संस्कृति और खेलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है और उभरते एथलीटों को समर्थन दिया है। यह सम्मान समावेशी विकास और सतत सामुदायिक विकास के प्रति टीएचडीसीआईएल की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह पुरस्कार टीएचडीसीआईएल की ओर से श्री हर्ष कुमार जिंदल, महाप्रबंधक (एस एंड ई विभाग) और श्रीमती महक शर्मा, उप प्रबंधक (एस एंड ई विभाग) द्वारा प्राप्त किया गया।

लेडीज़ क्लब

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा वार्षिक उत्सव का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई एवं मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्नोई की अध्यक्षता में एवं निदेशक (तकनीकी), श्री भूपेन्द्र गुप्ता, संरक्षिका, श्रीमती मनु शिखा गुप्ता व निदेशक (वित्त), श्री सिपन कुमार गर्ग और संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति में 03 अगस्त, 2025 को वार्षिक उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और धूमधाम से किया गया।
कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से की गई। तत्पश्चात शिव स्तुति और शिव तांडव स्रोत के गायन से 'गंगा की यात्रा' नामक कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। उत्तर प्रदेश और बंगाल से बहती हुई मां गंगा का सफर अनेक मनोरंजक पड़ावों के साथ दर्शाया गया। साथ ही ऑडियो-विजुअल्स गेम्स भी आयोजित किए गए जिसके माध्यम से भी सभी ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा वार्षिक उत्सव के प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' के वार्षिक उत्सव के प्रतिभागियों को उनकी प्रस्तुति, योगदान एवं उत्साह को सम्मानित करने के लिए एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्नोई के मार्गदर्शन में 05 अगस्त, 2025 को एक गेट-टूगेदर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन की संरक्षिका, श्रीमती मनु शिखा गुप्ता एवं श्रीमती पूजा गर्ग भी उपस्थित रही | इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया |

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' की मासिक बैठक संपन्न

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा 28 अगस्त, 2025 को अगस्त माह की बैठक का आयोजन किया गया | बैठक की अध्यक्षता श्रीमती चंचल विश्नोई, मुख्य संरक्षिका ने की | बैठक में अगस्त माह में जन्मी सदस्यों का जन्मोत्सव मनाया गया और नए सदस्यों का स्वागत किया गया |

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा बच्चों के लिए आयोजित किया गया कार्यक्रम

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' ने अपने नाम को सार्थक करते हुए कॉलोनी में स्थापित किड्स क्लब में 14 अगस्त, 2025 को आउट हाउस में रहने वाले बच्चों के लिए एक वेलफेयर कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें क्लब की सदस्याओं श्रीमती वंदना सिंह, श्रीमती अंजू जैन,श्रीमती अनुभूति त्रिपाठी, श्रीमती आशा यादव, श्रीमती अमृथा नागराले आदि सदस्याओं ने बच्चों को शिक्षाप्रद कहानियों के माध्यम से जीवन के मूल्यों को समझाया तथा कुछ रोमांचक खेल भी खिलाए।

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
Everything in others' control is pain. Everything in self-control is happiness.

HRD Corner

Program on Safety Awareness Held at HRD Center

A 02-day Safety Awareness Program was conducted on 11th & 12th August, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh for a mixed group of 40 Nos. employees. The objective of the program was to strengthen industrial and behaviour-based safety across various locations with an aim to instill safe work practices, reduce incidents and empower employees in creating a zero-harm workplace.

Capability Building Program for Executives aspiring for Leadership Roles

A 01 day Capability Building Program for Executives aspiring for Leadership Roles was held on 14th August, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The Program aimed to develop leadership skills, attitudes, outlooks and to foster holistic development and improve collaboration and results. The program was conducted through Internal Resource Persons holding Senior Positions. The Program was attended by 45 Nos. participants and was well appreciated by all.

वीपीएचईपी में पेनस्टॉक स्टील लाइनर की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया प्रारंभ

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 04 अगस्त, 2025 को 444 मेगावाट विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के निर्माण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। परियोजना के सर्ज शाफ्ट से पावर हाउस तक पेनस्टॉक स्टील लाइनर की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई। यह कार्य परियोजना के हाइड्रो-मेकैनिकल सेक्टर के लिए अत्यंत अहम है और परियोजना को इसकी पूर्णता की ओर एक कदम और करीब लाता है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में परियोजना स्थल पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री अजय वर्मा, परियोजना प्रमुख (वीपीएचईपी), श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (टीबीएम/ सामाजिक एवं पर्यावरण), श्री संजय ममगाई, अपर महाप्रबंधक (हाइड्रो मेकैनिकल), श्री रवीन्द्र सिंह राणा, अपर महाप्रबंधक (ई एंड एम), श्री बी.एस. पुंडीर, अपर महाप्रबंधक (योजना एवं सुरक्षा), श्री ए.के. श्रीवास्तव, अपर महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), श्री एस.पी. डोभाल, अपर महाप्रबंधक (पावर हाउस), श्री अनिल नौटियाल, उप महाप्रबंधक (हाइड्रो मेकैनिकल) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा ने कहा, “पेनस्टॉक स्टील लाइनर की स्थापना केवल एक निर्माण कार्य नहीं है, बल्कि यह इस राष्ट्रीय महत्व की जल विद्युत परियोजना को साकार करने की दिशा में एक रणनीतिक प्रगति है। यह उपलब्धि हमारी टीम की अटूट प्रतिबद्धता, संकल्प और तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाती है। मैं इस महत्वपूर्ण कार्य से जुड़े सभी हितधारकों, विशेष रूप से परियोजना टीम, मैसर्स एचसीसी तथा मैसर्स पीईएस को उनके अथक प्रयासों और समर्पण के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। ऐसी उपलब्धियां हमें परियोजना की समयबद्ध कमीशनिंग की ओर प्रेरित करती हैं। वीपीएचईपी न केवल स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में योगदान देगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी नई गति प्रदान करेगा। टीएचडीसी, देश की ऊर्जा सुरक्षा एवं सतत विकास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।” यह उपलब्धि दुर्गम हिमालयी क्षेत्र में स्थित इस परियोजना के निर्माण में टीएचडीसी की दक्षता, प्रतिबद्धता और दूरदृष्टि को प्रमाणित करती है और भारत के नवीकरणीय ऊर्जा अभियान में इसकी प्रमुख भूमिका को रेखांकित करती है।

Beyond the Desk

कर्मचारी ही संस्था के असली ब्रांड एंबेसडर हैं ।

श्री सुमन शेखर
जन संपर्क अधिकारी
ऋषिकेश

आज का कॉरपोरेट संसार पहले से कहीं अधिक गतिशील और प्रतिस्पर्धात्मक बन चुका है। इसका कारण है तेज़ी से बदलती तकनीक, वैश्विक बाज़ारों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाएँ, जिसने हर संस्था को पारदर्शी और उत्तरदायी बनने के लिए बाध्य कर दिया है। ऐसे परिदृश्य में ब्रांडिंग की परिभाषा केवल कंपनी लोगो एवं विज्ञापनों तक सीमित नहीं रह गई है। किसी भी संस्था की असली ताक़त और पहचान उसके कर्मचारियों में निहित होती है, जो अपने कार्य, व्यवहार और समर्पण से संस्था को जीवंत बनाते हैं और उसकी छवि को समाज में प्रतिबिंबित करते हैं।

कभी वह दौर था जब किसी कंपनी की पहचान स्थापित करने के लिए लोकप्रिय हस्तियों को ब्रांड एंबेसडर बनाया जाता था। लेकिन समय के साथ उपभोक्ताओं एवं निवेशकों का भरोसा विज्ञापनों पर तो है ही, साथ ही उन लोगों की ओर भी गया है जो संगठन के भीतर कार्यरत हैं, हाल में ही छपी Gitnux 2025 की एक रिपोर्ट इसको प्रमाणित करती है। इस रिपोर्ट में पाया गया कि 61 प्रतिशत उपभोक्ता विज्ञापन द्वारा साझा की गई जानकारियों की तुलना में वहाँ कार्यरत कर्मचारियों द्वारा साझा किए गए कंटेंट पर अधिक भरोसा करते हैं क्योंकि कर्मचारियों की बातों में व्यक्तिगत अनुभव और प्रमाणिकता झलकती है | यह भरोसा इसलिए कायम होता है क्योंकि कर्मचारी कंपनी के मूल्यों को न केवल प्रचारित करते हैं बल्कि उसे जीते हैं। साथ ही यह विज्ञापन के संदेश को और भी प्रभावी एवं विश्वसनीय बना देते हैं।

जब कोई कर्मचारी कार्यस्थल पर ईमानदारी और पारदर्शिता का पालन करता है तो वह संस्था की विश्वसनीयता को और मजबूत करता है। जब कोई कर्मचारी सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेता है तो वह अपने व्यवहार से संस्था की छवि को समाज में स्थापित करता है। कर्मचारियों को संस्था जब अपने एंबेसडर के रूप में देखती है तो इससे उनमें संस्था से गहरा जुड़ाव और निष्ठा पैदा होती है।

Oxford University की 2019 की एक स्टडी बताती है कि जो कर्मचारी संस्था से भावनात्मक रूप से जुड़ाव रखते हैं, उनकी उत्पादकता 13 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। यह केवल आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह सच है कि जब कर्मचारी यह महसूस करते हैं कि वे संस्था में सिर्फ नौकरी नहीं करते बल्कि उसके मिशन का हिस्सा हैं, तो उनके अंदर ऊर्जा कई गुना बढ़ जाता है। इसके साथ ही आज के डिजिटल दौर में कर्मचारियों का निजी और पेशेवर नेटवर्क कंपनी के लिए एक अमूल्य संसाधन बन चुका है। सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट, एक अनुभव या एक तस्वीर भी संस्था के लिए सकारात्मक प्रचार का माध्यम बन सकती है और ये विज्ञापनों से कहीं अधिक प्रभावी होता है।

Gallup की एक स्टडी बताती है कि जिन संस्थाओं में कर्मचारियों की संतुष्टि का स्तर ज्यादा होता है, वहाँ लाभप्रदता की दर भी 18 प्रतिशत अधिक होती है। यह आँकड़ा एक सीधा संकेत है कि खुशहाल कर्मचारी न केवल संस्था के लिए बेहतर काम करते हैं, बल्कि उसकी छवि को भी चमकाते हैं। आज कई कंपनियाँ कर्मचारियों को डिजिटल स्तर पर भी सशक्त बना रही हैं, उन्हें सोशल मीडिया पर संस्था की उपलब्धियों को साझा करने, अपनी कहानियाँ बताने और अपने अनुभवों को सामने लाने के लिए प्रेरित किया जाता है। अंततः यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कर्मचारी किसी संस्था की सबसे बड़ी पूँजी हैं, वे न केवल उसके संचालन को सुचारु बनाते हैं बल्कि उसकी छवि को आकार भी देते हैं। उनका उत्साह व समर्पण संस्था की साख को उस मुकाम तक पहुँचा सकती है जहाँ कोई भी विज्ञापन या अभियान नहीं पहुँचा सकता। इसलिए इस बात में कोई संशय नही है कि “कर्मचारी ही संस्था के असली ब्रांड एंबेसडर हैं ”।

आपदा प्रभावित थराली (जनपद चमोली) में टीएचडीसीआईएल द्वारा राहत सामग्री वितरण

22 अगस्त, 2025 को उत्तराखंड के चमोली जनपद के थराली क्षेत्र में बादल फटने से आई आपदा की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी चमोली, श्री संदीप तिवारी के मार्गदर्शन एवं समन्वय में विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना ने त्वरित पहल करते हुए प्रभावित परिवारों के लिए आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई। परियोजना परिसर से राहत सामग्री से युक्त मिनी ट्रक को टीएचडीसी के महाप्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण/टीबीएम), श्री के.पी. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। टीएचडीसीआईएल द्वारा 80 राहत किट आपदा प्रभावित परिवारों में वितरित की गईं। प्रत्येक राहत किट में आवश्यक खाद्यान्न एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं सम्मिलित थी |

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
Everything in others’ control is pain. Everything in self-control is happiness.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. Anoop Raj Gairola
Chief General Manager (PSP)
Tehri
DOR: 31-08-2025

Sh. Anoop Raj Gairola, CGM (PSP), Tehri superannuated from THDC India Limited on 31st August 2025. A Civil Engineer from Madan Mohan Malaviya University of Technology, Gorakhpur (1989 batch), he joined THDCIL in July 1990 and rendered more than 35 years of distinguished service.
He played a key role in the Rehabilitation & Resettlement of Tehri Dam Project and in the successful execution of the Tehri Pumped Storage Project, wherein two units have already been commissioned under his leadership. Earlier, on deputation to SIIDCUL (2007–2011), he contributed significantly in the development of Integrated Industrial Estates, facilitating over ₹50,000 crore investment and generating employment for nearly one lakh people.
His contributions to THDCIL will always be remembered.

Sh. Shailesh Dhyani
General Manager (Mechanical)
Khurja
DOR: 31-08-2025

Sh. Shailesh Dhyani, General Manager (Mechanical), superannuated from THDC India Ltd. on 31st August 2025. An alumnus of Mysore University (BE Mechanical, 1988), he began his career with the Birla Group before joining THDC on 25th October 2001. Over the years, he made outstanding contributions across Tehri, Koteshwar, Rishikesh, and Khurja projects, leading critical works from erection to commissioning. He was instrumental in commissioning Tehri (4×250 MW) and Koteshwar (4×100 MW) units, restoring Koteshwar after major floods within eight months, and executing Dhukwan project works. At Khurja STPP, he played a key role in Unit-2 synchronization and major systems like SG, CHP, WTP, and Cooling Towers. With rich experience spanning Hydro, Thermal, and Small Power Projects, and international training in Russia, Ukraine, and France, Sh. Dhyani's technical acumen and dedication will always be remembered.

श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय
वरिष्ठ प्रबंधक (विद्युत)
खुर्जा
सेवानिवृत्ति: 31-08-2025

श्री रविन्द्र दत्त मंमगाई
प्रबंधक (जनसंपर्क, मा.सं. एवं प्रशा.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-08-2025

श्री बुद्धि राम नौटियाल
प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
टीयूईसीओ, देहरादून
सेवानिवृत्ति: 31-08-2025

श्री अरविन्द सिंह नेगी
प्रबन्धक (वित्त एवं लेखा)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-08-2025

श्रीमती साधना त्यागी
उप अधिकारी (मा.सं.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-08-2025

श्री सुदर्शन बिस्वाल
उप अधिकारी (वाहन ऑपरेटर)
मा. सं., ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-08-2025

Designed In-House by Corporate Communication
Department, Rishikesh

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रसा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)